गायत्री मंदिर महाकाली मूर्ति निवास

सार्वजनिक दुर्गा मंच आमाडोंगरी निवास

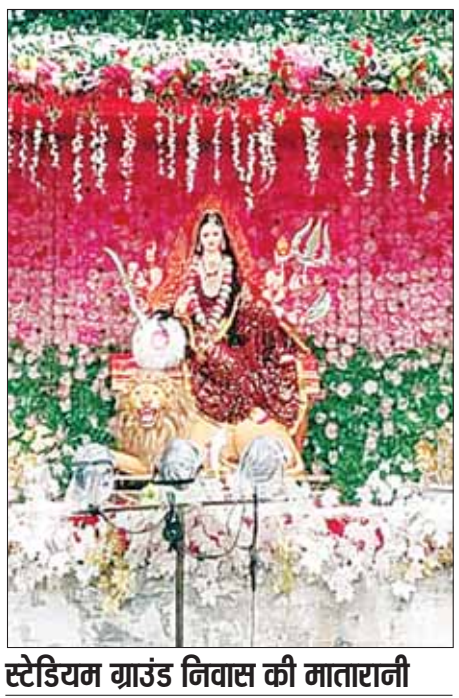

स्टेडियम ग्राउंड निवास की माताराणी

आजाद वार्ड निवास की पंचमुखी माता

आज मनाया जायेगा दशहरा पर्व, जिले में होगा रावण दहन

असत्य पर सत्य की जीत विजयदशमी

*** हर्ष उल्लास के साथ मनाई जायेगी विजयदशमी।**

रिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

जिले में गुरूवार को विजयादशमी का पर्व हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया जाएगा। असत्य पर सत्य और अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक यह त्यौहार हर वर्ष समाज को अच्छाई की राह पर चलने का संदेश देता है।

जिले के विभिन्न मैदानों में शाम को रावण पुतलों का दहन किया जाएगा। जैसे ही आग की लपटों के बीच पुतले धराशायी होंगे, आसमान में आतिशबाजी गूंजेगी और चारों ओर "जय श्रीराम" के उद्घोष सुनाई देंगे। बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस अद्भुत दृश्य के साक्षी बनेंगे।

पर्व को लेकर जिले के पंडालों और मुख्य मार्गों पर सुबह से ही रौनक बनी रहेगी। नवरात्रि के नौ दिनों तक मंदिरों और दुर्गा पंडालों में भक्तिभाव का वातावरण रहने के बाद दशहरा पर्व के उत्साह के साथ इसका समापन होगा।

हालांकि, लगातार हो रही बारिश के चलते तैयारियों में कुछ खलल भी पड़ रहा है। मैदानों में पानी भरने और गीली मिट्टी के कारण आयोजकों को व्यवस्थाएँ करने में अतिरिक्त मेहनत करनी पड़ रही है। इसके बावजूद समितियों और नगर प्रशासन द्वारा उचित इंतज़ाम किए जा रहे हैं ताकि श्रद्धालुओं को किसी तरह की असुविधा न हो।

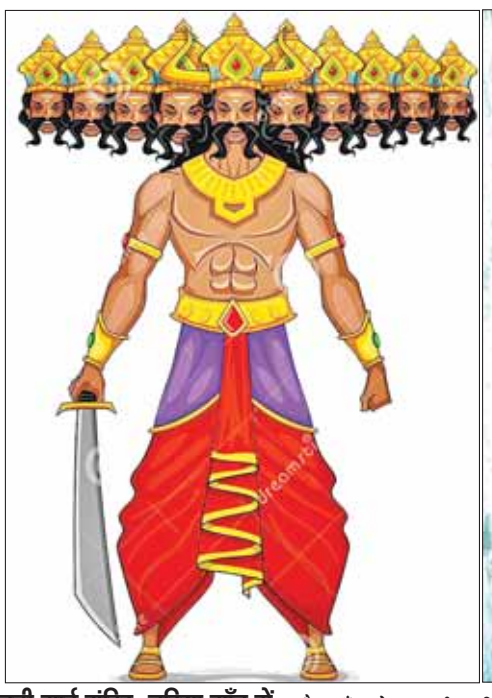

बूढ़ी माई मंदिर, चुरिया गाँव में आस्था, इतिहास और लोककथाओं का जीवंत संगम

घुघरी मुख्यालय से लगभग अठारह किलोमीटर की दूरी पर बसा चुरिया गाँव धार्मिक आस्था का विशेष केंद्र है। यहाँ स्थित बूढ़ी माई मंदिर केवल पूजा-अर्चना का स्थान ही नहीं, बल्कि इतिहास, संस्कृति और लोककथाओं का अमूल्य खजाना है। इस मंदिर की ख्याति दूर-दूर तक फैली हुई है।

यहाँ स्थापित मूर्ति के बारे में कहा जाता है कि यह कलचुरी काल की है। उस समय निर्मित देवी-देवताओं की मूर्तियाँ अपनी विशेष कलाकारी और दिव्य आभा के लिए जानी जाती हैं। बूढ़ी माई की मूर्ति भी उसी परंपरा की जीवंत गवाही देती है। गाँव के बुजुर्ग सही लाल के अनुसार, इस मंदिर की महिमा सदियों से चली आ रही है। ग्रामीण मानते हैं कि माता की शक्ति और कृपा सदैव उनके साथ रहती है।

गाँव में यह कथा प्रचलित है कि बहुत पहले जब चुरिया गाँव अस्तित्व में नहीं था, तब एक चरवाहा अपनी गायों को चराने निकला। उसकी एक गाय रोज़ एक स्थान पर जाकर दूध छोड़ देती थी। चरवाहे को यह बात बड़ी अजीब लगी। जब उसने वहाँ खुदाई की, तो ज़मीन से माँ बूढ़ी माई की अद्भुत मूर्ति प्रकट हुई। तभी से यहाँ मंदिर की स्थापना हुई और लोग इसे दिव्य स्थान मानने लगे।

एक और प्रसंग बुजुर्ग सुनाते हैं कि गाँव में कभी भयंकर महामारी फैली थी। लोग परेशान होकर माता के दरबार पहुँचे और प्रार्थना की। श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से ज्वारे बोए और नौ दिनों तक अखण्ड ज्योति प्रज्वलित रखी। आश्चर्यजनक रूप से महामारी धीरे-धीरे शांत हो गई। तब से गाँव में यह मान्यता प्रचलित है कि माँ की कृपा से किसी भी विपत्ति को टाला जा सकता है।

कई श्रद्धालु अपनी मन्नतें लेकर आते हैं। कोई संतान प्राप्ति की कामना करता है, कोई बीमारी से मुक्ति चाहता है, तो कोई घर-परिवार की सुख-समृद्धि। यहाँ आने वाले भक्तों का कहना है कि सच्चे मन से की गई प्रार्थना अवश्य पूरी होती है। कई लोग अपनी मनोकामना पूर्ण होने पर माता को चुनरी, नारियल या सोने-चाँदी के आभूषण अर्पित करते। चुरिया गाँव का बूढ़ी माई मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि यह इतिहास, आस्था, लोककथा और सामाजिक एकता का संगम है। मूर्ति की प्राचीनता इसे ऐतिहासिक महत्व देती है, तो लोककथाएँ इसे रहस्यमयी और चमत्कारिक आभा से भर देती हैं।

नवरात्रि के अवसर पर उमड़ने वाली भीड़ इस बात का प्रमाण है कि माँ बूढ़ी माई आज भी करोड़ों दिलों में आस्था का केंद्र बनी हुई हैं। ज्वारे बोने की परंपरा और सामूहिक उत्सव ग्रामीण जीवन की जीवंतता का प्रतीक है। वास्तव में, बूढ़ी माई केवल चुरिया गाँव की ही नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र की माँ हैं – जिनके दरबार में हर श्रद्धालु को आशा, शक्ति और विश्वास मिलता।

सेमरखापा में विराजित भव्य महाकाली

सेमरखापा में स्थापित माता महारानी

कटरा रोड मण्डला की शारदा माता

माता के रूप अनेक कहीं काली तो कहीं दुर्गा विराजी

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/निवास

शक्ति की उपासना का पर्व नवरात्र पर निवास नगर धर्ममय बना हुआ है, नगर के अधिकांश वार्डों में भक्तजनों व समितियों द्वारा माता दुर्गा प्रतिमा की स्थापना कर पूजा अर्चना की जा रही है, वहीँ सुबह शाम की आरती में आमजन व श्रद्धालु गण काफी संख्या में उपस्थित होकर धर्म लाभ ले रहे हैं।

नगर में विराजीं सभी मूर्तियां विशेष आकर्षण का केंद्र बनीं हुईं हैं लेकिन इस वर्ष निवास के गायत्री माता मंदिर में माता महाकाली की भव्य प्रतिमा की स्थापना की गई है जहाँ चौथ के दिन की आरती के मध्य कुछ मात्रशक्तियो को भाव भी आ गया था जिसमें कुछ स्कूली छात्राएं भी थीं। वहीँ राममंदिर में स्थापित की गई सिंह पर सवार माता दुर्गा प्रतिमा को भक्त एकटक निहारते रह जाते हैं। अधिकांश दुर्गा समितियों द्वारा भंडारे का आयोजन कर प्रसाद वितरण किया जा चुका है और यह क्रम अगले दिन तक चलेगा, दसवें दिन माता की बिदाई का चल समारोह निकाला जायेगा और देर रात्रि तक मूर्ति विसर्जन का दौर चलेगा, वहीँ नगर प्रशासन द्वारा जल कुंड की व्यवस्था की जा चुकी है जहाँ सभी मूर्तियों का श्रद्धापूर्वक जलावतरण किया जायेगा, उक्त समारोह में स्थानीय पुलिस प्रशासन मुस्तेद होगा ताकि चल समारोह में व्यवस्था बनी रहे व आमजन को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। प्रशासन ने सभी भक्तगणों व आमजनों से शांतिमय व्यवस्था बनाये रखने की अपील की है।

कान्हा नेशनल पार्क के खटिया गेट से पर्यटन सीजन का शुभारंभ

*** मंत्री श्रीमती उइके एवं सांसद श्री कुलस्ते ने किया पर्यटकों का स्वागत।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

कान्हा नेशनल पार्क के खटिया गेट पर तीन माह के अंतराल के बाद पर्यटन सीजन का शुभारंभ उत्साह और परंपरा के साथ हुआ। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग श्रीमती संपतिया उइके और सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने स्वयं पर्यटकों का स्वागत पुष्प माला पहनाकर और मिठाई खिलाकर किया। उन्होंने जंगल सफारी के पर्यटक वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर मंत्री श्रीमती उइके ने कहा कि इस वर्ष भी बड़ी संख्या में पर्यटक कान्हा टाइगर रिजर्व आएं और यहां की प्राकृतिक धरोहर, वन्यजीव और जनजातीय संस्कृति का अनुभव करें। पर्यटक न केवल जंगल और वन्यजीव देखने आते हैं, बल्कि वे यहां की जनजातीय जीवनशैली, रहन-सहन और मोटे अनाज (श्री अन्न) के महत्व को भी जानने के इच्छुक रहते हैं। इसके लिए पार्क और आसपास के क्षेत्रों में समुचित व्यवस्था होनी चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि टूरिस्ट लोकल फॉर वोकल के संदेश को अपनाएं और पर्यटकों से मधुर व्यवहार किया जाए, ताकि वे यहां का अनुभव जीवनभर याद रखें।

सांसद श्री कुलस्ते ने कहा कि कान्हा नेशनल पार्क विश्व प्रसिद्ध है और यहां का प्राकृतिक सौंदर्य एवं वन्यजीव आकर्षण का केंद्र हैं। पार्क के खुलने से स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं आर्थिक गतिविधियों को भी बल मिलेगा। उन्होंने पर्यटकों से अपील की कि वे जंगल की प्राकृतिक धरोहर और वन्यजीव संरक्षण में सहयोग करें।

कान्हा टाइगर रिजर्व प्रबंधन को उम्मीद है कि इस वर्ष यहाँ पर्यटकों की संख्या पिछले वर्षों से अधिक होगी। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2024-25 में ढाई लाख से अधिक पर्यटक यहां आए थे।

इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष श्री संजय सिंह कुशराम, फील्ड डायरेक्टर कान्हा टाइगर रिजर्व श्री रवींद्र मणि त्रिपाठी, डिप्टी डायरेक्टर कोर श्री पुनीत गोयल, एसडीएम श्रीमती सोनाली देव, डिप्टी डायरेक्टर बफर सुश्री अमिता, श्री सूरज सिंह सेन्द्राम, रेंज ऑफिसर श्री आकाश जैन सहित कान्हा टाइगर रिजर्व का स्टाफ, गाइड और सैलानी मौजूद रहे।

बीएसएनएल ने मनाया 25वाँ स्थापना दिवस

मण्डला। भारत संचार निगम लिमिटेड (BSNL) ने अपना 25वाँ स्थापना दिवस पूरे देशभर में धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशभर में स्थापित 1 लाख से अधिक 4G टावरों का वर्चुअल उद्घाटन किया। स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर मंडला जिले में भी बीएसएनएल कार्यालय से भव्य वाहन रैली निकाली गई, साथ ही उपभोक्ता जागरण शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सभा को संबोधित करते हुए श्री रविंद्र बघेल ने कहा कि "बीएसएनएल ने इन 25 वर्षों में कामयाबी का नया आयाम प्राप्त किया है। एक ओर हम उपभोक्ताओं को स्वदेशी तकनीक से निर्मित 4G सेवाएं उपलब्ध करा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर भारत फाइबर के माध्यम से गाँव-गाँव तक हाई स्पीड इंटरनेट पहुँचाया जा रहा है।" उन्होंने आगे कहा कि बीएसएनएल की सफलता की इस राह में सदैव देशवासियों का अटूट विश्वास बना रहा है। सभा को संबोधित करते हुए श्री राजेश सहायक महाप्रबंधक ने कहा कि "बीएसएनएल विश्वास का दूसरा नाम बन गया है। जहाँ अन्य सेवा प्रदाता केवल लाभ-हानि के आधार पर कार्य करते हैं, वहीं भारत संचार का यह उपक्रम देश सेवा के लिए पूरी तरह समर्पित है।" आज की इस रैली एवं कार्यक्रम में राजेश बनछोड़, रविंद्र बघेल, राजकुमार कौशल, कमलेश पटेल, शरदकुमार गर्ग, प्रेम प्रकाश,गिरजाशंकर त्रिपाठी अतुल कुसमरिया शारदा सोनी जी,समेत जिले के विभिन्न हिस्सों से आये बीएसएनएल कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

राजीव कॉलोनी में विराजित जगदम्बा माता

श्रीराम मंदिर निवास की मनोहारी माता

खेरमाई मंदिर निवास की अलौकिक माताराणी

बस स्टैण्ड समिति निवास की माता

कृषि उपज मण्डी मण्डला की जगदम्बा रानी

JAN SHIKSHAN SANSTHAN, MANDLA (M.P)

(Sponsored by Ministry of Skill Development & Entrepreneurship (Govt. of India)

REQUIRES DIRECTOR

Qualification: Essentials

1. Minimum Second Class Master's Degree from recognized university /institution or equivalent.
2. Seven years' experience in a supervisory and capacity building preferably but not necessarily in the field of Education or Social Sciences.
3. Working Knowledge of the local language.

Desirable:

1. Experience in Administration/Management.
2. Experience in guiding/conduction of research or evaluation

Age :

The upper age shall not exceed 55 years whereas there shall be no minimum age.

Emoluments:

Consolidated salary of Rs. 35,000/- per month.

Apply within 25 days from the date of publication of advertisement to

Chainman, The Chairman, Jan Shikshan Sansthan

House no.1, Samradhya Colony, Maharajpur, Mandla (M.P.) - 481665

Contact : Email- patrakar.vrinda@gmail.com or jssmandla@yahoo.co.in

नगर सहित क्षेत्र में विराजी माँ जगत जननी के अंतिम दर्शन

नगर के राजेन्द्र बाबू वार्ड में स्थापित प्रतिमा।

नगर के स्टेशन परिसर में स्थापित प्रतिमा।

नगर की नर्मदा कालोनी में स्थापित प्रतिमा

नगर के राजीव वार्ड में स्थापित प्रतिमा

नगर एमपीईबी कालोनी में स्थापित प्रतिमा।

नगर के साहू मुहल्ला में स्थापित प्रतिमा।

नगर के टंकी के पास स्थापित प्रतिमा।

सांईखेड़ा के झिकोली रोड पर स्थापित प्रतिमा।

सांईखेड़ा के धूनी दादा मार्ग पर स्थापित प्रतिमा।

नगर के विवेकानंद वार्ड में स्थापित प्रतिमा

नगर के चिरह रोड पर स्थापित प्रतिमा

समीपस्थ ग्राम बोदरी में स्थापित प्रतिमा

नगर के बल्लभ मार्केट में स्थापित प्रतिमा

नगर के कालेज रोड पर स्थापित प्रतिमा

सांईखेड़ा के किसाना मुहल्ला में स्थापित प्रतिमा।

समीपस्थ ग्राम खुलरी में स्थापित प्रतिमा।

समीपस्थ ग्राम घघरौला में स्थापित प्रतिमा।

नगर के शही भगत सिंह वार्ड स्थापित प्रतिमा।

माँ दुर्गा की प्रतिमाओं सहित जवारे विसर्जन का सिलसिला शुरू होगा आज, दुर्गा नवमीं की रात को देवी दर्शन के लिये सड़कों पर उमड़ते देखा गया जन सैलाब, देवी मंदिरों में दिन भर चलता रहा पूजन, देर रात्री तक चले हवन के कार्यक्रम..

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। माँ दुर्गा के आराधना पर्व शारदेय नवरात्र इस वर्ष शहरवासियों ने बडे ही श्रद्धा, उमंग और उत्साह से मनाया गया। इस वर्ष बीते हुए 22 सतम्बर से शुरू हुए शारदेय नवरात्रि के चलते कल 1 अक्टूबर तक पूरा शहर आकर्षक विद्युत रोशनी से जगमगाता रहा है। वही नवरात्र के अंतिम दिन यानि की दुर्गा नवमी को देवी मंदिरों में पहुंच माताएं, बहिने, पुरूष, युवा मातारानी की पूजन, आरती कर उन्हें विभिन्न व्यंजनों का भोग अर्पित कर उनका आशीष प्राप्त करते हुए देखे गये। इस प्रकार से भक्ति गीतों से गूंज रहे शहर में अनेक जगहों पर देवी जागरण, भजन, कीर्तन, सामूहिक दुर्गा सप्तशती, दुर्गाष्टक पाठ के निरंतर आयोजन संपन्न हुये और लोगो ने जहां अपने घरों में माँ दुर्गा जी के अनुष्ठान कराये वही नगर में अनेक जगहों पर माताराणी प्रतिमाओं की स्थापना स्थलों पर लोगों द्वारा कन्या भोज आयोजित किये गये। शारदेय नवरात्र की महा अष्टमी पर बीते मंगलवार को जहां लोगों द्वारा देवालयों, देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर माताराणी की विशेष पूजा, अर्चना कर उन्हें खीर, पुरी, हलवा का भोग लगाकर प्रसाद वितरण किया गया और ज्योति कलशों, आस्था के दीपों से सुसज्जित देवी मंदिरों को माताराणी की जय घोष से गुंजा दिया गया। वही दुर्गा नवमी की शुभ बेला में कल बुधवार की रात शहर के सार्वजनिक स्थानों तथा नगर के वार्डो में शारदेय नवरात्र पर्व पर स्थापित माँ भवानी की नयनाविराम प्रतिमाओं की झांकियाँ देखने देर रात तक देवी दरबारों के पट खुले रहने के चलते शहर ओर क्षेत्र के गांवों से आये श्रद्धालुओं की अपार भीड़ शहर की सड़कों पर उमड़ती रही। इस दौरान माताराणी के युवा भक्तों ने मोबाईल पर श्रद्धालुओं के आकर्षण का केन्द्र बनी माँ दुर्गा की प्रतिमाओं के चित्र लेते हुए एक दूसरे को आदन प्रदान किये तथा लोगों ने शारदेय नवरात्र पर्व का जमकर आनंद उठाया। वही नवरात्र को शांति पूर्वक संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन के द्वारा बनाई गई व्यवस्थाओं से भी खुश नजर आये। क्योंकि हर वर्ष देखा जाता था कि रात के समय देवी दर्शन के लिये जब सड़को पर जन समूह उमड़ता था तो शाम 8 बजे से रात 12 बजे तक के लिये सभी प्रकार के वाहन बंद करा दिये जाते थें। वही दूसरी ओर संपूर्ण व्यवस्थाओं पर उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा तथा नगर निरीक्षक विक्रम रजक पंचमी से लेकर अंतिम दिवस तक खुद पैदल भ्रमण करते हुये पैनी नजर रखे हुये थें। इस प्रकार से शारदेय नवरात्र उत्सव की नवमी के अवसर पर कल बुधवार को नगर के देवी मंदिरों, माँ दुर्गा की प्रतिमाओं के स्थापना स्थलों पर माताराणी के हवन, पूजन, कन्या भोज, महा प्रसादी वितरण के कार्यक्रम आयोजित किए गये तथा दुर्गा नवमी के मौके पर नवरात के दौरान व्रत रखने वाले महिलाओं द्वारा भी देवी मंदिरों पर पहुंचकर माताराणी की विशेषस पूजन करते हुये अपनी व परिवार सहित नगर की सुख समृद्धि की कामना की गई। वही शहर में कुछ स्थलों पर स्थापित जवारों के विसर्जन का सिलसिला शुरू हो गया था। मगर आज से लगभग अनेक जगहों पर स्थापित किये गये जवारों के साथ साथ प्रतिमाओं के विसर्जन का कार्यक्रम शुभारंभ हो जावेगा। बताया जाता है कि माँ दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन आज जहां प्रशासन द्वारा शक्कर नदी में बनाये गये विसर्जन कुंड में किया जावेगा। गौरतलब है कि आज गुरूवार को जहां नगर में स्थापित देवी प्रतिमाओं का विसर्जन बडें ही धूमधाम के साथ किया जावेगा तथा असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक पर्व त्यौहार विजयादशमी के चलते शहर की दुर्गोत्सव समितियों की ओर से माँ भगवती की प्रतिमाओं का विधि विधान से पूजन किया जावेगा। इसके पश्चात दुर्गा प्रतिमाओं व जबारों का विसर्जन शहर की शक्कर नदी के विशेष कुंड में किया जावेगा। माताराणी के विछोह से दुखी हजारों भक्तों की जहां आंखे नम देखी जा रही है। क्योंकि इस साल लगातार दस दिन तक माताराणी की सेवा करने वाले भक्तों को अब माताराणी से बिछड़ने के दिन सहन करना मुश्किल जान पड़ रहा है। इस प्रकार से आज विजय दशमी के अवसर पर नगर के शक्कर नदी में बने हुए विसर्जन कुंड में दिन भर देवी प्रतिमाओं व जबारों का विसर्जन जारी रहेगा।

बाइक से जा रहे युवक का गुप्तांग काटते हुये किया जान से मारने का प्रयास, एनटीपीसी के समीप घटित हुई घटना से फैली सनसनी

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। इस समय जहां संपूर्ण क्षेत्र माताराणी की आराधना में लीन दिखाई दे रहा है। मगर दूसरी ओर अपराधिक घटनाओं का जो स्वरूप देखने मिल रहा है वह निश्चित तौर से क्षेत्र की कानून व्यवस्था को कटघरे में खड़ा करने से नही चूक रहा है..? मंगलवार की रात एनटीपीसी के समीपस्थ घटित हुई घटना ने जहां संपूर्ण क्षेत्र में दहशत का महौल निर्मित कर दिया गया है। वही दूसरी ओर यह घटना क्षेत्र के साथ साथ संपूर्ण प्रदेश में चर्चा का विषय बनने से नही चूक पा रही है। वही गौर किया जावे तो क्षेत्र के लोग इस तरह की घटनाओं की सपने में भी कल्पना नही कर सकते है उस तरह की घटनाये घटित होते हुये दिखाई दे रही है। बताया जाता है कि बीते हुये दिवस समीपस्थ ग्राम गांगई निवासी बसंत पिता जमना प्रसाद पाली उम्र लगभग 25 वर्ष गाडरवारा डा सिंघई मेडीकल शॉप पर काम करता है। जो बीते हुये मंगलवार की रात 9 से 10 बजे के बीच अपनी मोटर साईकिल से एनपीपीसी बाले मार्ग से अपने गांव जा रहा था। इसी दौरान सुदरास पुल व तोल काटा के बीच एक अज्ञात वाहक चालक द्वारा बसंत को रोकते हुये कहा कि मेरा पेट्रोल खत्म हो गया है कुछ मदद कर दो जब बसंत ने अपनी मोटर साईकिल रोकी तो एक स्कार्पियों चार पहिया गाड़ी से अन्य चार लोग और पहुंच गये। जो सभी लोग अपना चेहरा बंद किये हुये थें। सभी ने एक राय होकर अचानक बंसत पाली के साथ मारपीट करते हुये सड़क किनारे झाड़ियो में ले गये और बसंत के सभी कपड़े उतरवाने के बाद किसी तेज धारदार हथियार से बंसत का गुप्तांग काटने के साथ चाकूओं से बार करते हुये इस सोच के साथ छोड़क आये शायद उसकी मौत हो गई। इस तरह घायल अवस्था में पड़े हुये बसंत को जब कुछ होश आया तो उसने अपने भाई अनिल को फोन लगाते हुये बुलाया गया। इस दौरान जब उसका भाई सहित गांव के अन्य लोग मौके पर पहुंचे तो तुरंत उपचार के लिये शासकीय चिकित्सालय लेकर आये जहां पर डाक्टरों द्वारा प्राथमिक उपचार करते हुये जबलपुर के लिये रेफर कर दिया गया है जहां पर बसंत जिन्दगी व मौत के बीच जूझ रहा है..? इस संबंध में बसंत पाली के भाई का कहना है कि घायल अवस्था में उसके भाई द्वारा सिर्फ यही बताया है कि उसके ऊपर हमला करने वाला एक व्यक्ति मोटर साईकिल से आया हुआ था और अन्य चार लोग एक स्कार्पियों चार पहिया गाड़ी से आये हुये थें जिन्हें वह नही पहचानता है। वही घटना को लेकर पुलिस ने बसंत के भाई की शिकायत पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास सहित अन्य धाराओं के तहत मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है। वही आरोपियों की खोजबीन की जा रही है। वही घटना को लेकर ग्राम गांगई सहित क्षेत्र के लोगों द्वारा रोष प्रकट करते हुये उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा को ज्ञापन देते हुये आरोपियों को शीघ्र खोजते हुये कार्यवाही की मांग की गई है। इस तरह क्षेत्र में पहली बार घटित हुई घटना ने संपूर्ण क्षेत्र में सनसनी का महौल निर्मित कर दिया गया है। इस घटना के पीछे आरोपियों द्वारा इस तरह के कृत्य को अंजाम देने का कारण क्या है यह बात अभी तक स्पष्ट नही हो पाई है। वही दूसरी ओर उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा का कहना है कि डोगरगांव पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत घटित हुई इस घटना के आरोपियों की खोजबीन के लिये एक टीम का गठन किया गया है जिसमें डोगरगांव थाने के आलवा सांईखेड़ा थाना प्रभारी व चीचली पुलिस के कुछ लोगों को शामिल किया गया है।

खबर संक्षेप

समर्थन मूल्य पर उपज बेचने 3999 किसानों ने कराया पंजीयन

डिंडौरी। प्रदेश शासन द्वारा खरीफ विपणन वर्ष में समर्थन मूल्य पर धान ज्वार व बाजरा उपार्जन के लिए किसान पंजीयन नीति जारी की गई है। जारी नीति के परिपालन में डिंडौरी जिले में उपार्जन के लिए कुल 27 केन्द्र बनाये गए हैं। इन केन्द्रों में डिंडौरी, समनापुर, चांदरानी, गाडासरई, सुनपुरी, बजाग, बरगांव, शहपुरा, विपणन गोरखपुर करंजिया, अमरपुर, निघौरी, भानपुर, कोकोमटा, बम्हनी, सक्का, राई, मेंहदवानी, कठौतिया, शाहपुर, मानिकपुर, शहपुरा, बिछिया पिपरिया चांदपुर, छांटा व सरहरी शामिल हैं। वर्तमान स्थिति में उक्त सहकारी संस्थाओं के अंतर्गत 3193 पंजीयन निःशुल्क पंजीकृत हुए हैं।

दशहरे पर ट्रैफिक अलर्ट: शहर में नहीं मिलेगा वाहनों को प्रवेश

डिंडोरी। आज दशहरा पर्व के मद्देनजर जिला मुख्यालय में शाम 6 बजे से वाहन प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। हालांकि वैकल्पिक व्यवस्था के तहत यातायात पुलिस ने आवागमन के लिऐ एडवाइजरी जारी की है।जिसके मुताबिक कलेक्ट्रेट परिसर में और अस्पताल के सामने बस स्टैंड में वाहन पार्किंग की व्यवस्था की गई है।वहीं मुड़की रोड से पुरानी डिंडोरी जाने वालों के लिये नर्मदा पुल शांति नगर से कलेक्ट्रेट मार्ग के इस्तेमाल की व्यवस्था की गई है। वहीं जबलपुर तरफ से आकर पुरानी डिंडोरी हेतु कोर्ट तिराहा, शांतिनगर, डेम घाट से रूट डायवर्ट किया गया है। इसके साथ ही जबलपुर से मंडला और अमरकंटक आने जाने वाले की सहूलियत के लिये कॉलेज तिराहा से बायपास मार्ग में आवागमन की व्यवस्था की गई है।

आपसी विवाद पर पति ने पत्नी के साथ की मारपीट

डिंडोरी। कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कूड़ा निवासी एक महिला के साथ उसके पति द्वारा मारपीट करने का मामला प्रकाश मे आया है। पीड़िता 38 साल की महिला ने थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई कि मेरी शादी वर्ष 2013 में नरेन्द्र मरावी के साथ समाजिक हिन्दू रीति रिवाज से हुई थी। करीब 03 साल से मेरा पति घरेलू बातों को लेकर आये दिन लड़ाई झगड़ा कर प्रताडित करता चला आ रहा है। जिसके कारण मैं दो साल से अपने मायके समनापुर में अपने बच्चों के साथ रह रही हूं। करीबन 15 दिन से मैं अपनी बुआ के घर डिंडौरी में मेहमानी के लिये आयी हूं। सोमवार को मैं कूडा सोसायटी से राशन लेकर अपनी बुआ के घर जा रही थी। शाम करीब 04 बजे मंडला बाईपास चौराहा के पास मेरा पति नरेन्द्र मिल गया और उसने मुझे गाली गलौच करते हुए मारपीट की। दोबारा घर आने पर जान से मारने की धमकी दी। मारपीट से मुझे चोट लगी है।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत किया गया पौधरोपण

कोतमा। पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वन विभाग के नेतृत्व में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पयारी क्रमांक-1 हायर सेकेंडरी विद्यालय प्रांगण में 50 फलदार पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर सभी उपस्थितजनों ने पौधों की सुरक्षा एवं संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम में पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष रामदास पुरी, वन परिक्षेत्र अधिकारी कोतमा हरीश तिवारी, प्राचार्य मनोज तिवारी, ग्राम पंचायत दैखल के सरपंच दिगम्बर सिंह, जनपद सदस्य केशरदास महरा, रामप्यारे गौतम, बबलू गौतम, अमर सिंह, डिप्टी रेंजर अभिलाष सोनी, बीट गार्ड शंकर दीन द्विवेदी, दिगम्बर शर्मा, चौकीदार सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

दुकानदारी की रंजिश मे राहुल गुप्ता पर जानलेवा हमला

कोतमा। कपड़े की दुकान संचालित करने वाले राहुल कुमार गुप्ता (32) पर 28 सितंबर की रात उस समय हमला किया गया, जब वह अपनी दुकान से घर लौट रहे थे। आरोप है कि पड़ोसी दुकानदार महेश गुप्ता पिता ललन प्रसाद, महेश कलेक्शन, हनुमान तिराहा, वॉर्ड 6 ने उनके साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। कोतमा पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज कर ली है और आरोपी महेश गुप्ता के खिलाफ भारत न्याय संहिता की धारा 296, 115(2) और 351(3) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया है।

जनपद पंचायत अमरपुर सभागार में सरपंचों-पंचों की बैठक संपन्न, आठ सूत्रीय मांगों को लेकर सौंपा जाएगा ज्ञापन

डिण्डौरी। जनपद पंचायत अमरपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायतों के सरपंचों, उपसरपंचों और पंचों की एक महत्वपूर्ण बैठक मंगलवार को जनपद पंचायत अमरपुर सभागार में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जनपद पंचायत अध्यक्ष हन्नू सिंह पट्टा ने की। बैठक में पंचायत प्रतिनिधियों ने एकजुट होकर पंचायतों से जुड़ी समस्याओं और अपने अधिकारों को लेकर गहन चर्चा की इस दौरान आठ सूत्रीय मांगों का एक ज्ञापन तैयार किया गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि दशहरा पर्व के बाद एक और विस्तृत बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें अमरपुर ब्लॉक की सभी 43 ग्राम पंचायतों के सरपंच, उपसरपंच और पंच भाग लेंगे। इस बैठक में पंचायत प्रतिनिधियों के अधिकारों और समस्याओं पर आगे की रणनीति तय की जाएगी। साथ ही अगली बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष और अन्य वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया जाएगा।

आठ सूत्रीय प्रमुख मांगें इस प्रकार

पंचायत राज अधिनियम के 73वें संशोधन (1993) में दिए गए अधिकारों को पुनः बहाल किया जाए। मनरेगा के तहत सभी निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के साथ प्रारंभ किया जाए। मनरेगा योजना के अंतर्गत मेड़ बंधान और कुआं निर्माण कार्य तत्काल प्रारंभ किए जाएं। मनरेगा के तहत घोषित 25.80 लाख रुपए की लागत वाले निर्माण कार्यों का क्रियान्वयन किया जाए और पंचायतों को पूर्ण अधिकार दिए जाएं। पूर्व की भांति खेत-सम्पर्क मार्गों के निर्माण कार्य फिर से शुरू किए जाएं। सरपंच, उपसरपंच और पंचों को सम्मानजनक मानदेय प्रदान किया जाए। ग्राम पंचायतों को आकस्मिक निधि के रूप में पूर्व की तरह 30,000 तक रखने का अधिकार दिया जाए। मनरेगा में निर्धारित 20 कार्यों की बाध्यता समाप्त की जाए। इन मांगों को लेकर तैयार किया गया ज्ञापन माननीय मुख्यमंत्री और जिला कलेक्टर को सौंपा जाएगा। बैठक में यह भी तय किया गया कि यदि एक माह के भीतर मांगे पूरी नहीं की गईं, तो सभी पंचायत प्रतिनिधि आंदोलन करने को बाध्य होंगे, जिसकी जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी। बैठक में रायसिंह मरकाम राष्ट्रीय प्रदेश महासचिव, अमृत सिंह परस्ते ब्लॉक अध्यक्ष सरपंच संघ, कमलेश मरावी, प्रेमसिंह पट्टा, सुरेश सरोते, कीर्तन मरावी, अरविंद साड़िया, मोहनसिंह धुर्वे, हरेसिंह धुर्वे, ज्ञान सिंह सैयाम, लोकराम बड़कड़े, शिवकली धुर्वे, दलसिंह मरावी, होमसिंह मरावी सहित बड़ी संख्या में सरपंच, उपसरपंच और पंचगण उपस्थित रहे।

टॉवर खड़ा, पर सिग्नल गायब! ग्रामीणों को नहीं मिल रही सरकारी योजनाओं की जानकारी

डिण्डौरी। डिजिटल इंडिया के दौर में भी डिंडोरी जिले के कई गांव आज भी मोबाइल नेटवर्क से कोसों दूर हैं। नतीजा यह कि न तो सरकारी योजनाएं जमीनी स्तर पर सही तरीके से उतर पा रही हैं और न ही गांव के युवा इंटरनेट की दुनिया से जुड़ पा रहे हैं। जिले के संवेदनशील वनग्राम डिजिटल इंडिया के दावों की असली तस्वीर सामने रखते हैं। यहां करीब डेढ़ साल पहले मोबाइल टावर तो खड़े कर दिए गए, लेकिन महीनों बीत जाने के बाद भी नेटवर्क सेवाएं शुरू नहीं हो सकीं। मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट के अभाव में ग्रामीण सरकारी योजनाओं का लाभ लेने से वंचित हैं, वहीं बच्चे और युवा ऑनलाइन पढ़ाई से भी कटे हुए हैं। वनग्राम धुरकुटा और आसपास के गांवों में नेटवर्क की समस्या लगातार बनी हुई है। इस

मुद्दे को लेकर पद्मश्री सम्मानित अर्जुन सिंह धुर्वे कई बार जिला प्रशासन तक अपनी शिकायत पहुंचा चुके हैं। इतना ही नहीं, उन्होंने क्षेत्रीय सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते से भी गुहार लगाई, लेकिन हालात आज भी जस के तस हैं। मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ की सीमा पर बसे इन गांवों में लोग रोजमर्रा की जिंदगी के साथ-साथ संचार सुविधा के अभाव में परेशान हैं। सवाल यही है कि आखिर कब इन टावरों में नेटवर्क की सांसें भरेंगी और ग्रामीण सही मायनों में डिजिटल इंडिया से जुड़ पाएंगे।

तकनीकी खामियों से रुका पंजीकरण, कुकर्रामठ और छांटा धान उपार्जन केंद्रों पर किसानों की बढ़ी परेशानी

डिंडौरी। शासन के निर्देषानुसार उपार्जन केन्द्रों में धान खरीदी हेतु 15 सितम्बर 2025 से पंजीयन शुरू कर दिये गये हैं। लेकिन जिले के कुकर्रामठ और छांटा उपार्जन केन्द्रों में तकनीकी कारणों से किसानों को पंजीयन कराने में परेषानी आ रही है। जिसकी षिकायत किसानों ने विगत दिवस कलेक्टर कार्यालय में की है। क्षेत्रीय कृषकों द्वारा की गई षिकायत में बतलाया गया कि कुकर्रामठ एवं छांटा में विगत 12 वर्षों से पंजीयन एवं उपार्जन का कार्य किया जा रहा है। लेकिन 15 सितम्बर से शुरू हुये धान उपार्जन हेतु पंजीयन का कार्य अब तक समिति द्वारा शुरू नहीं किया गया, जिससे परेषानी पेष आ रही है। षिकायत में बतलाया गया कि कुकर्रामठ केन्द्र अंतर्गत कुकर्रामठ, तितराही, बुडरूखी, रसोई, खाम्हा, बीतलबहरा, कंचनपुर, बल्लारपुर, पिंडरूखी, ग्राम के किसान शामिल हैं, वहीं छांटा केन्द्र अंतर्गत छांटा, मोहदा, क्विंटी, सरई, किकरझर, पडरिया, टिकरिया, माधोपुर, बहेरा टोला, रहंगी, राम्हेपुर, सहित अन्य ग्रामों के लगभग 2500 किसानों के द्वारा केन्द्रों में धान एवं गेंहू का विक्रय किया जाता है, जिनका पंजीयन होता है, लेकिन पंजीयन नहीं होने से किसानों को चिंता सता रही है। परेषान कृषकों ने चेतावनी जारी की है, कि पंजीयन कार्य अति शीघ्र शुरू नहीं किया गया तो चक्काजाम सहित आंदोलन किया जायेगा। वहीं कुकर्रामठ समिति प्रबंधक नारायण सिंह ने बतलाया कि तकनीकी समस्या के कारण केन्द्र की आईडी बंद होने और उपार्जन केन्द्र का नाम पोर्टल में प्रदर्षित नहीं होने के कारण किसानों का पंजीयन कार्य बंद था। हालांकि शाहपुर उपार्जन केन्द्र की आईडी से फिलहाल पंजीयन का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। केन्द्र की आईडी शुरू कराने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को पत्राचार किया गया है।

बिजली बिल की राशि में हेराफेरी करने वाले सचिव को एसडीएम ने जारी किया नोटिस

ग्राम पंचायत सारंगपुर का मामला

डिंडौरी। बिजली बिल का भुगतान दिखाकर शासकीय राशि में हेर फेर करने के मामले में ग्राम पंचायत सचिव को कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी द्वारा नोटिस जारी कर जवाब तलब किया गया है। जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत सारंगपुर के सरपंच सचिव ने पंचायत दर्पण पोर्टल में बिजली बिल भुगतान प्रदर्शित कर पंचायत के खाते की राशि अपने चहेते व्यक्ति के खाते में अंतरण करवा दी थी तथा उससे नगद राशि लेकर अपने निजी उपयोग में ले लिया। इस बावद मामले की शिकायत एसडीएम बजाग को की गई थी। जिस पर एमडीएम ने कार्रवाई करते हुये सचिव घनश्याम परस्ते और रोजगार सहायक जलसू मरावी को कारण बताओ

नोटिस जारी कर दो दिवस में जवाब मांगा है। नोटिस में उल्लेख किया गया है, कि आपके द्वारा पंचायत दर्पण पोर्टल में बिल लगाकर राशि 1,19,774 रूपये दिनांक 06 मई 2025 को ग्राम के ही ऑनलाइन संचालक रामकुमार के खाते में अंतरित करना दिखाया गया है, जो कि भुगतान करने के पश्चात उक्त राशि को आपके द्वारा नगद ले लिया गया है और उक्त राशि बिजली विभाग के खाते में जमा नहीं हुई है जबकि बिजली बिल का भुगतान एमपीईबी के खाते में किया जाना था। ग्राम में वाटर सप्लाई का बिजली बिल जमा करने के नाम पर राशि का आहरण कर लिया गया है जबकि बिजली विभाग के पोर्टल में वाटर सप्लाई का बिल भुगतान लगातार कार्पोरेट अकाउंट से जमा होना दर्शाया जा रहा है, नोटिस में कहा गया है कि आप लोगों के द्वारा शासकीय राशि का आहरण कर गलत तरीके से अपने व्यक्तिगत लाभ में उपयोग किया जाना शिकायत में दर्शित है। लेख किया गया है कि नोटिस प्राप्ति के दो दिवस के भीतर अधोहस्ताक्षर कर्ता के समक्ष अपना जवाब दस्तावेज सहित प्रस्तुत करे। समाधान कारक जवाब प्रस्तुत नहीं करने की दशा में आपके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही प्रस्तावित की जावेगी। गौरतलब है कि सरपंच सचिव ने पंचायत की राशि में हेर फेर करने के उद्देश्य से बिजली का बिल ,विभाग के खाते में जमा करने के बजाय अपने चहेते के खाते में जमा कर उससे नगद राशि प्राप्त कर निजी उपयोग में ले लिया है।

डीएलसीसी-डीएलआरसी की पहली तिमाही समीक्षा बैठक संपन्न

डिंडौरी। जिले की जिला स्तरीय परामर्श समिति एवं जिला स्तरीय समीक्षा समिति की पहली तिमाही जून 2025 की समीक्षा बैठक अपर कलेक्टर जेपी यादव की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में अग्रणी जिला प्रबंधक रवि शंकर, जिला विकास अधिकारी देवव्रत पाल, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग राजेंद्र कुमार जाटव, श्रीमती राधा कुशरे जिला उद्योग प्रबंधक, एनआरएलएम प्रबंधक श्रीमती अर्पणा पांडे, सभी बैंकों के जिला समन्वयक एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में वार्षिक साख योजना की समीक्षा की गई। एसीपी में पहली तिमाही तक प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रों में 32 प्रतिशत उपलब्धि दर्ज की गई। जिले का अग्रिम जमा अनुपात भी 50 प्रतिशत से बढ़कर 51 प्रतिशत हो गया। बैठक में नाबार्ड द्वारा संचालित एग्री क्लीनिक-एग्री बिजनेस सेंटर अनुदान युक्त योजना की जानकारी दी गई। साथ ही उद्यम क्रांति योजना, पीएमएफएमई उद्यानिकी योजना, किसान क्रेडिट कार्ड (मत्स्य), भगवान

बिरसा मुंडा आर्थिक स्वरोजगार योजना, टाटया मामा आर्थिक कल्याण योजना, संत रविदास स्वरोजगार योजना एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर आर्थिक कल्याण योजना सहित विभिन्न शासकीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर सुधारात्मक सुझाव दिए गए। बैठक में यह भी अवगत कराया गया कि जिले में जनधन योजना के अंतर्गत 5,32,512 खाते पंजीकृत हैं। इसी प्रकार प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना में 1,46,782 तथा प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना में 3,09,010 पंजीकरण दर्ज किए गए हैं। अग्रणी जिला प्रबंधक श्री रविशंकर ने जानकारी दी कि डिंडौरी जिले ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में अटल पेंशन योजना के तहत लक्ष्य के विरुद्ध 269.11 प्रतिशत उपलब्धि हासिल की है। निर्धारित लक्ष्य 3,435 के विरुद्ध जिले ने 5,244 पंजीकरण कराए। इस उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी भारत सरकार द्वारा 03 सितंबर 2025 को भोपाल में आयोजित एपीवाई आउटरिच कार्यक्रम में जिले को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिले की ओर से अग्रणी जिला प्रबंधक श्री रविशंकर को सम्मान प्रदान किया गया।

प्राथमिक शाला गारकामट्टा की शिक्षिका पर लापरवाही का आरोप, पालक संघ ने की हटाने की मांग

डिण्डौरी। विकासखंड करंजिया अंतर्गत ग्राम गारकामट्टा स्थित प्राथमिक शाला की शिक्षिका श्रीमति सावित्री चंदेल के खिलाफ पालक संघ और ग्रामवासियों ने लापरवाही के गंभीर आरोप लगाए हैं। पालक संघ के सदस्यों द्वारा जिला कलेक्टर को सौंपे गए ज्ञापन में शिक्षिका को तत्काल विद्यालय से हटाने की मांग की गई है। ज्ञापन में बताया गया है कि श्रीमति चंदेल प्रतिदिन दोपहर 12 से 1 बजे के बीच स्कूल आती हैं और कक्षा 5 के छात्रों को केवल किताब खोलकर पढ़ने के लिए कह देती हैं। इसके बाद वे स्वयं मोबाइल में व्यस्त रहती हैं, जिससे बच्चों की

पढ़ाई पर नकारात्मक असर पड़ रहा है। ग्रामवासियों का कहना है कि इस प्रकार की कार्यप्रणाली बच्चों के भविष्य को अंधकारमय बना रही है। पालक संघ ने जिला प्रशासन से मांग की है कि छात्रों के उज्ज्वल भविष्य को ध्यान में रखते हुए उक्त शिक्षिका को प्राथमिक शाला गारकामट्टा से हटाया जाए।

अभिमन्यु 3 के तहत मैराथन का हुआ आयोजन, पुलिस अमला हुआ शामिल

डिंडोरी। पुलिस मुख्यालय द्वारा संचालित मैं हूँ अभिमन्यु अभियान 3 के तहत बुधवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय से बायपास तक मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। बुधवार सुबह डीएसपी पुरुषोत्तम मरावी ने हरी झंडी दिखाकर दौड़ की शुरुआत की। इस दौड़ में पुलिस कर्मियों ने उत्साह से भाग लिया। गौरतलब है कि महिलाओं एवं बच्चों के प्रति घटित होने वाले अपराधों के संबंध में जागरूक करने हेतु पुलिस मुख्यालय के द्वारा मैं भी हूँ अभिमन्यु 3 अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें पुलिस अधीक्षक वाहनी सिंह एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित वर्मा के द्वारा समस्त थाना एवं चैकी को निर्देशित

किया गया है कि अपने अपने क्षेत्र में महिलाओं एवं बच्चों पर होने वाले अपराधों के रोकथाम के लिए जागरूकता अभियान का स्कूल कॉलेज, एवं दुर्गा पंडालों में सामान्य जन को प्रचार प्रसार किया जावे। इसी तारतम्य मे पुलिस अधीक्षक कार्यालय से पुरानी डिंडौरी बाईपास तक मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया जिसमें पुलिस स्टाफ एवं आमजन की सहभागिता रही। मैराथन दौड़ में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पाने वालों को पुरस्कृत किया गया है। इस दौरान डीएसपी पुरुषोत्तम मरावी, कोतवाली प्रभारी दुर्गा प्रसाद नगपुरे, यातायात प्रभारी सुभाष उइके सहित तमाम पुलिस बल मौजूद रहा।

सांसद कप कबड्डी प्रतियोगिता का हुआ समापन, कुल्हिडोंगरी छग की टीम बनी विजेता

डिण्डौरी। करंजिया विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत गोपालपुर में आयोजित सांसद कप कबड्डी प्रतियोगिता का समापन मंगलवार रात्रि को शानदार मुकाबले के साथ हुआ। इस प्रतियोगिता में कुल 32 टीमों ने भाग लिया, जिसमें आसपास के ग्रामों के साथ-साथ छत्तीसगढ़ की टीमें भी शामिल रहीं। प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में कुल्हिडोंगरी छ.ग. और गोपालपुर के बीच जबरदस्त मुकाबला देखने को मिला। रोमांचक मुकाबले में कुल्हिडोंगरी की टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए फाइनल जीतकर प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि मेजबान गोपालपुर की टीम उपविजेता रही। सिंहपुर छ.ग. ने तीसरा तथा समनापुर की टीम ने

चैथा स्थान प्राप्त किया।

दर्शकों ने बढ़ाया खिलाड़ियों का उत्साह

मैच के दौरान बड़ी संख्या में दर्शक दीर्घा में उपस्थित खेल प्रेमियों ने खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर तालियों से उत्साहवर्धन किया। कई खेल प्रेमियों ने खिलाड़ियों को नगद राशि देकर प्रोत्साहित भी किया। समापन समारोह में भाजपा जिला अध्यक्ष चमरू सिंह नेताम, प्रदेश महामंत्री पंकज तेकाम, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य नरेंद्र राजपूत, और भाजपा जिला उपाध्यक्ष महेश धूमकेती ने विजेता एवं उपविजेता टीमों को कप, मेडल और नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में गोल्डी सारीवान, अरविंद सारीवान, कन्हैया मोगरे, मोनू पड़वार, संतु धुर्वे सहित अन्य ग्रामीणजन सक्रिय रूप से जुड़े रहे। आयोजन को सफल बनाने में स्थानीय जनता का भी महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

नशा मुक्ति केन्द्र में लगाया गया स्वास्थ्य शिविर

डिंडौरी। नशा मुक्ति केन्द्र डिंडौरी में एक दिवसीय स्वास्थ्य व स्क्रीनिंग षिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत में प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर योगेन्द्र टेंभरे ने मरीजों से संवाद करते हुए नशे के दुष्परिणामों की जानकारी दी। षिविर के दौरान ग्रुप काउंसलिंग करते हुए मरीजों को नशे से दूरी बनाने, मानसिक दृढ़ता विकसित करने सहित नशा छोडने के व्यावहारिक उपाय समझाए गए। काउंसलिंग में बताया गया कि नशे से बचाव का कोई स्थायी इलाज नहीं है, बल्कि आत्मसंयम और दृढ संकल्प ही इसका सबसे बडा उपाय है।

आज नगर से मैहर रवाना होगी पद रथ यात्रा

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

विजयदशमी पर्व पर नगर के बस स्टैंड एवं वार्ड क्रमांक एक से माता रानी का रथ नगर भ्रमण उपरांत पद यात्रियों के जत्थे के साथ मैहर तक रवाना होगा। रास्ते से बदरा के सकोला गांव से भी माता की एक झांकी पदरथ यात्रा के लिए रवाना होगी। बता दें कि बस स्टैंड में स्थित मां शैलपुत्री भक्ति मंडल समिति के गौरवशाली 25 वर्ष पूर्ण होने पर विजयदशमी के दिन कोतमा से मैहर विशाल पदरथ यात्रा लेकर जाएगी। आयोजन मंडली के सदस्यों द्वारा तैयारी पूरी

कर ली गई हैं। धार्मिक नगरी कोतमा से मैहर यात्रा ले जाने की प्राचीन एवं सनातनी परंपरा चली आ रही है। इसके पूर्व भी वर्ष 1987,90,93, 2015 एवं 21 में भी विशाल एवं भव्य यात्रा कोतमा से मैहर तक गई थी। जिसमें हजारों श्रद्धालुओं की संख्या में महिला, पुरुष युवा शामिल रहते हैं। दशहरे के दिन दोपहर में मां दुर्गा की झांकी को नगर के प्रमुख मार्गों पर शोभायात्रा निकाली जाएगी। जिसका जगह जगह स्वागत पुष्प वर्षा एवं पूजा अर्चना किया जाएगा। यात्रा के दौरान पूरे नगरवासी उमड़ पड़ेंगे। शाम को यात्रा बदरा होकर फुनगा पहुंचेगी जहां भोजन एवं रात्रि विश्राम किया जाएगा। सुबह 3 अक्टूबर को भक्तों का जत्था चचाई होते हुए रात्रि विश्राम बुढार में करेगी।, 4 अक्टूबर को शहडोल भ्रमण करते हुए रात्रि विश्राम घुनघुटी में होगा, 5 को दिन में पाली होते हुए रात को ज्वालाधाम उचेहरा रुकेगी, 6 को खितौली रोड एवं कुआंगांव में यात्रा रहेगी। 7 अक्टूबर को बरही होते हुए रात का भोजन एवं ठहरना भदनपुर में एवं 8 अक्टूबर को मैहर पहुंच नगर भ्रमण एवं प्रतिमा विसर्जन कर दर्शन उपरांत सभी भक्तों की नगर वापसी होगी। समिति द्वारा पंजीयन कराते हुए व्यापक तैयारी की जा रही है। यात्रा में सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु शामिल होकर जाएंगे। जिनके वस्त्र, भोजन, रुकने, स्वास्थ्य सहित अन्य सुविधाएं समिति प्रदान करेगी। कोतमा नगर एवं उससे लगे आधा सैकड़ा से ज्यादा गांवों में इस धार्मिक यात्रा को लेकर उत्साह देखा जा रहा है। सैकड़ो की संख्या में महिलाएं एवं पुरुष यात्रा की तैयारी में जुट गए है।

कृषक संगोष्ठी का हुआ आयोजन, फसल अवशेष जलाने से होने वाले नुकसान की दी गई जानकारी

डिंडौरी। तहसील शहपुरा अंतर्गत ग्राम रयपुरा में विगत दिवस फसल अवशेष प्रबंधन विषय पर कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में ग्राम के कृषक एवं जनप्रतिनिधियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

कार्यक्रम में कृषि विभाग से सहायक कृषि यंत्री तथा वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी भी उपस्थित रहे। संगोष्ठी में फसल अवशेष जलाने से होने वाले नुकसान तथा इसके स्थान पर उन्नत प्रबंधन तकनीकों को अपनाने के लाभों पर विस्तार से चर्चा की गई। किसानों को बताया कि फसल अवशेषों का वैज्ञानिक प्रबंधन करने से मिट्टी की उर्वरता बनी रहती है, पर्यावरण प्रदूषण पर नियंत्रण होता है। कृषकों को अवशेष प्रबंधन हेतु आधुनिक यंत्रों के उपयोग की जानकारी प्रदान की गई और विभागीय योजनाओं के अंतर्गत मिलने वाली सहायता एवं लाभ के बारे में भी बताया गया। उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने किसानों से अपील की कि वे पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक लाभ के लिए फसल अवशेष जलाने की प्रथा को समाप्त करें। कार्यक्रम में किसानों ने भी विभाग द्वारा दी गई जानकारियों पर उत्साहपूर्वक चर्चा की और फसल अवशेष प्रबंधन की तकनीकों को अपनाने का संकल्प लिया।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, गुरुवार 2 अक्टूबर 2025

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदखेडा | श्रीधाम | सालीचौका | सआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेडा | चीचली | करकबेल

श्री दुर्गा काली मंडल इतवारा बाजार

नवीन दुर्गा मंडल अष्टांग चिकित्सालय

श्री राज राजेश्वरी शारदा मंडल

विनायक दुर्गा मंडल

सिद्धेश्वर दुर्गा मंडल यादव कॉलोनी

रेवा नगर दुर्गा मंडल

ब्रह्माकुमारीज की महारानी

खबर संक्षेप

तुलसी ने रोहतक में दी डांस की प्रस्तुति

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस हरियाणा राज्य के रोहतक मे आयोजित डांस प्रतियोगिता मे देश के अलग अलग राज्य व शहरों से आए 200 प्रतियोगिता मे भाग लिया। उक्त प्रतियोगिता मे नगर की बेटी तुलसी माता मंजू चौधरी द्वारा भाग लिया गया जिसमें तृतीय स्थान प्राप्त कर जिले के गौरवान्वित किया।

मंत्री श्री सिंह आज करेंगे शस्त्र पूजन

नरसिंहपुर। प्रदेश शासन के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह 2 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे रायसेन से प्रस्थान कर सुल्तानपुर, बरेली, राजमार्ग होते हुए दोपहर 3 बजे नरसिंहपुर आगमन करेंगे। मंत्री श्री सिंह दोपहर 3 बजे पुलिस लाइन नरसिंहपुर में विजयादशमी पर्व पर आयोजित शस्त्र- पूजन के कार्यक्रम में शामिल होने के बाद सायं 4.30 बजे नरसिंहपुर से गाडरवारा के लिए जाएंगे और सायं 5.30 बजे गाडरवारा आएंगे। इसके पश्चात आप रात्रि 8.30 बजे गाडरवारा से प्रस्थान कर रात्रि 9.15 बजे लोलरी आएंगे।

अज्ञात कारणों से मौत

नरसिंहपुर। विगत दिवस अज्ञात कारणों से युवक की मौत हो गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार अजय पिता रामकुमार कहार उम्र 39 वर्ष निवासी झिरना पावर हाउस के पास थाना कोतवाली की अपने ही घर पर अज्ञात कारणों से तबियत बिगड़ गई जिसे उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस मर्ग प्रकरण तैयार कर शव का पंचनामा बनाकर शव परीक्षण कराकर परिजनों को सौंप दिया।

बारिश के कारण नहीं होगा पुतला दहन

नरसिंहपुर। सनातनी हिंदू उत्सव समिति द्वारा प्रतिवर्ष कलेक्टर बंगला के सामने चर्च मैदान में दशहरा पर्व पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ विशाल रावण के पुतला का दहन किया जाता था। किंतु इस वर्ष लगातार हो रही बारिश के कारण पुतले का दहन और अन्य कार्यक्रम नहीं होंगे। उक्त जानकारी समिति के द्वारा दी गई।

छत गिरा व्यक्ति हुई मौत

नरसिंहपुर। गत दिवस छत से गिरने मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मुकेश पिता हरिप्रसाद कुमरे उम्र 35 वर्ष निवासी गुनगु थाना हर्रई जिला छिंदवाड़ा की छत से गिरने से आई चोटों से मौत हो गई। पुलिस मर्ग पंचनामा तैयार शव का परीक्षण करा परिजनों को सौंप दिया।

युवक को सर्प ने काटा

नरसिंहपुर। गत दिवस घर पर युवक को सर्प ने काट लिया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र गाडरवारा निवासी युवक को घर पर सर्प ने काट जिसका उपचार जिला चिकित्सालय में जारी है।

महिला को सर्प ने काटा

नरसिंहपुर। गत दिवस घर पर काम करते समय महिला को सर्प ने काट लिया। पुलिस ने बताया कि मुन्नी बाई ठाकुर पति दिलीप ठाकुर निवासी 22 वर्ष नकटुआ थाना स्टेशनगंज को घर पर काम करते सर्प ने काट लिया जिसका उपचार जिला चिकित्सालय मे जारी है।

मोटर परिवहन कर्मकार अधिनियम के हेतु चलाया जा रहा अभियान

नरसिंहपुर। श्रम पदाधिकारी दामिनी सिंह ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए सर्वोच्च न्यायालय द्वारा याचिका में पारित आदेश के परिपालन में मोटर ट्रांसपोर्ट नियोजकों के अधिनियम अंतर्गत ऑफ लाइन पंजीयनों को ऑनलाइन दर्ज करने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत समस्त अपंजीकृत संस्थानों का पंजीयन कराया जाएगा।

रैली निकालकर किया गया वृक्षारोपण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

गत दिवस भारत संचार निगम लिमिटेड द्वारा रंजत जयंती के अवसर पर रैली निकालकर वृक्षारोपण किया गया। रैली बी.एस.एन.एल आफिस से मुख्य मार्गो से निकाली गई तत्पश्चात वृक्षारोपण किया गया इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमे बीएस रघुवंशी परिमंडल सचिव बीएसएनएल ईयू ने स्वदेशी 4 जी सहित अन्य विषय पर प्रकाश डाला एवं विश्वजीत बसक सहायक महाप्रबंधक ने अपने वक्तव्य मे बीएसएनएल को नई उचाई पर ले जाना है एवं स्वदेशी 4 जी की सराहना की, मुख्य अतिथि लेफ्टिनेंट डां राजेश कुमार ठाकुर ने बीएसएनएल के समय की चर्चा की एवं बीएसएनएल एम्प्लाइज की सराहना की गयी। रजत जयंती समारोह 25 साल बेमिसाल का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न सांस्कृतिक आयोजन किया गये अथितियो के द्वारा मां सरस्वती के क्षायाचित्र माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित किया गया बीएस रघुवंशी परिमंडल सचिव बीएसएनएल एम्पलाईज यूनियन परिमण्डल मध्यप्रदेश एवं पियुष सोनी उपमण्ल अभियंता ने जजेज की भूमिका निभाई कार्यक्रम में अंताक्षरी के राउण्ड, बाटल राउण्ड, पेपर रील अनफोल्ड, त्रोताओ द्वारा भी कविता, चुटकुले द्वितीय , म्यूजिकल चेयर गेम, कलर गेंद को बाक्स में डालना, कलर जेम्स को अलग-अलग करना, 25वीं वर्षगांठ कर केक सेलिवेव्रशन पूरे कार्यक्रम की रूप रेखा श्रीमती किरण ठाकुर द्वारा रखी गयी मंच संचालन श्रीमती किरण ठाकुर एवं मनोज तिवारी द्वारा किया गया।

33 प्रशिक्षणार्थियों को वितरित किए प्रमाण पत्र

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। निदेशक आरसेटी नरसिंहपुर ने बताया कि महिला ब्यूटी पार्लर का 35 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण 27 अगस्त से 30 सितम्बर 2025 तक सेंट आरसेटी- ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्था नरसिंहपुर में सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण समापन पर 33 प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर एसेसमेंट ऑफिसर आनंद सिंह, एसके सिन्हा, श्रीमती स्नेहलता चौहान, निदेशक आरसेटी नरसिंहपुर श्रीमती अनामिका मल्ल, संकाय सदस्य आशीष नामदेव, श्रीमती शिखा कुशवाहा, कार्यालय सहायक गगन शर्मा, मास्टर ट्रेनर श्रीमती उषा जैन सहित प्रशिक्षणार्थी मौजूद थे।

राशन विक्रेताओं को आमसभा में उपस्थित होने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। जिला आपूर्ति अधिकारी ने बताया कि दो अक्टूबर को जिले की सभी ग्राम पंचायतों में ग्राम सभाओं का आयोजन किया जाएगा। उक्त ग्राम सभा के लिए खाद्य विभाग से संबंधित विषय राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 एवं अन्य कल्याणकारी योजनाओं की सामाजिक संपरीक्षा सोशियल ऑडिट पर चर्चा होगी। इस संबंध में जिला आपूर्ति अधिकारी ने शासकीय उचित मूल्य दुकान के सभी विक्रेताओं को निर्देशित किया है कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 अंतर्गत दुकान से संबंधित जानकारी के साथ संबंधित ग्राम पंचायत की आमसभा में अनिवार्य रूप से उपस्थित होना सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी विक्रेताओं से कहा कि वे आपकी दुकान अंतर्गत पीडीएस, एमडीएम, आईसीडीएस छात्रावास आदि के आवंटन उठाव एवं वितरण की जानकारी, संलग्न पात्रता परिवारों की सूची, सप्सेक्टेड परिवार 18 वर्ष से कम उम्र सिंगल सदस्य परिवार, 100 वर्ष से अधिक उम्र सिंगल सदस्य परिवार, 6 लाख से अधिक इनकम वाले परिवार, कंपनी में रजिस्टर्ड संचालक परिवार, जीएसटी पे वार्षिक टर्नओवर 25 लाख वाले परिवार, धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत आदिवासी परिवारों के उज्जवला गैस कनेक्शन एवं पात्रता पर्ची से वंचित परिवारों का चिन्हांकन व सत्यापन की जानकारी के साथ ग्राम सभा में उपस्थित होंगे।

क्षत्रिय राजपूत सभा गोटेगाँव द्वारा दशहरा पर्व पर शस्त्र पूजन एवं मिलन समारोह आज

नरसिंहपुर/गोटेगांव:- क्षत्रिय राजपूत सभा गोटेगाँव द्वारा प्रति बर्ष विजया दशमी (दशहरा पर्व) पर दशहरा मिलन एवं शस्त्र पूजन का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाता है, जिसमें गोटेगाँव क्षेत्र सहित आसपास के क्षत्रिय राजपूत के लोग बड़ी संख्या में सम्मलित होने गोटेगाँव पहुँचते है।इसी क्रम में इस बर्ष भी स्थानीय माँ गार्डन में शस्त्र पूजन एवं सामाजिक मिलन का कार्यक्रम आयोजित किया गया है, इस बर्ष यह कार्यक्रम आगामी 2 अक्टूबर 2025 दिन गुरुवार को दोपहर 3 बजे से गोटेगाँव के कुम्हड़ाखेड़ा स्थित माँ गार्डन में भव्यता के साथ आयोजित किया जा रहा है, क्षत्रिय राजपूत सभा के जिला अध्यक्ष ठा. इंद्रभूषण सिंह मानेगांव, एवं राजपूत क्षत्रिय सभा गोटेगाँव के अध्यक्ष ठा. द्वारका सिंह चंदली ने सभी सामाजिक क्षत्रिय राजपूत बंधुओ से कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को भव्यता प्रदान करने की अपील की है। किसी कार्यक्रम की भव्यता उसमें शामिल होने वाले सामाजिक बन्धुओं की संख्या पर काफ़ी निर्भर करती है,उक्ताशय की जानकारी क्षत्रिय राजपूत सभा के जिला एवं ब्लॉक मीडिया प्रभारी मोहन सिंह राजपूत ने देते हुए कहा कि प्रति बर्ष आयोजित कार्यक्रम में समाज के बिभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले होनहार छात्र छात्राओं को क्षत्रिय राजपूत सभा द्वारा सम्मानित किया जाता है, क्षत्रिय सभा ने सामाजिक बन्धुओं से अपील कि है कि अपने होनहार बेटे बेटियों कि जानकारी क्षत्रिय सभा को अवश्य उपलब्ध कराएं।

48 दीपकों से की गई आराधना

तेंदूखेड़ा विगत दिवस पारस जैन मिलन शाखा क्षेत्र क्रमांक 10 की शुरूआत शीतल नाथ भगवान के मोक्ष कल्याणक के शुभ अवसर पर 48 दीपकों से भक्तांबर की आराधना की गई। एवं महिला मंडल की मासिक बैठक का आयोजन किया गया । जिसमें महिला मंडल की अध्यक्ष अरुणा जैन कोषाध्यक्ष प्रीति जैन सचिव अर्चना जैन एवं महिला मंडल की सदस्य कल्पना स्वदेशी रजनी जैन मुक्ता जैन मनीषा जैन पूर्ती जैन श्रद्धा जैन अंजना जैन प्रिया जैन शिक्षा जैन सहित अन्य सभी सदस्यों की उपस्थिति रही।

गोटेगांव में सजी चैतन्य देवियों की भव्य झांकी, भक्तिमय माहौल में उमड़ा जनसैलाब

गोटेगांव।

गोटेगांव की धरती इन दिनों माता रानी के दिव्य स्वरूप से आलोकित हो उठी है। प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, दिव्य ज्योति भवन, शिक्षक कॉलोनी में हर साल की तरह इस साल भी चैतन्य देवियों की झांकी ने श्रद्धालुओं को अद्भुत आध्यात्मिक अनुभूति कराई।देवी स्वरूपों के दर्शन करते ही मानो जीवंत अनुभूति होती है। भक्तों की आंखें आस्था से नम हो जाती हैं और 'जय माता दी' के उद्घोष से पूरा वातावरण गूंज उठता है। आरती के पलों में ऐसा लगता है जैसे स्वयं देवी मां पधार कर भक्तों का कल्याण कर रही हों।कार्यक्रम में गोटेगांव विधायक सहित शहर के गणमान्य नागरिक पहुंचे और माता की आरती कर आशीर्वाद प्राप्त किया। ब्रह्माकुमारी मीना बहन ने झांकी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मां के चरणों में समर्पण ही जीवन की सच्ची साधना है।बीके नितिन भाई, अजय भाई, सत्येन्द्र भाई, द्वारका भाई सहित बड़ी संख्या में सेवाधारी भाई-बहनों ने श्रद्धालुओं का स्वागत किया। लगातार भोग का प्रसाद वितरित हो रहा है और आगंतुकों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया जा रहा है।श्रद्धा, भक्ति और आस्था का ऐसा संगम गोटेगांव में विरले ही देखने को मिलता है। लोग मान रहे हैं कि यह झांकी केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आत्मा को शांति और ऊर्जा देने वाला आध्यात्मिक पर्व है। गोटेगांव की यह भव्य झांकी हर किसी के हृदय में मां की सजीव उपस्थिति का एहसास करा रही है।

"मां की झांकी देखकर ऐसा लग रहा है जैसे सचमुच देवी मां हमारे बीच विराजमान हों मन को अद्भुत शांति मिल रही है।"

श्रद्धालु महिला

"हर साल हम यहां आते हैं, लेकिन इस बार की झांकी ने तो मन मोह लिया। मां के दर्शन से सारी थकान दूर हो गई।"

बुजुर्ग श्रद्धालु

"ये केवल झांकी नहीं, बल्कि आत्मा को जगाने वाला दिव्य अनुभव है। यहां आकर लगता है कि मां सचमुच आशीर्वाद दे रही हैं।"

कॉलेज छात्र

"इतने सुंदर आयोजन के लिए ब्रह्माकुमारी बहनों का धन्यवाद। इस झांकी से पूरे शहर का माहौल भक्तिमय हो गया है।"

व्यापारी वर्ग से आए नागरिक

"यहां आकर मन को जो सुकून मिला, वह कहीं और संभव नहीं। लगता है जैसे मां ने हर भक्त की झोली खुशियों से भर दी हो।"

*गृहिणी

एक वर्ष पहले निर्मित हुई देव नगर पुराना की सड़क हुई ध्वस्त

गोटेगांव नरसिंहपुर

गोटेगांव तहसील क्षेत्र के अंतर्गत लोक निर्माण विभाग द्वारा देवनगर पुराना गांव को ओबीसी रोड से जोड़ने वाली रोड का निर्माण कार्य बीते वर्ष ही तीसरी बार करवाया गया था। लेकिन हैरानी की बात यह है कि महज एक साल के भीतर यह रोड जगह-जगह से ध्वस्त हो गई है। इससे न केवल विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं, बल्कि जिम्मेदार अधिकारियों की मिलीभगत की भी चर्चाएं जोर पकड़ रही हैं। इस रोड की गारंटी पांच साल की बताई जा रही है लेकिन रोड की जिस तरह खराब हालत है उसे देखते हुए कार्य की जांच कराने ग्रामीण मांग कर रहे हैं।इस रोड पर पिंडरई तक सीसी रोड और उससे आगे डामर का कार्य कराया गया था। लेकिन निर्माण के दौरान ही पिंडरई से तिरका गांव के बीच का हिस्सा धंस गया था। तब विभाग द्वारा तर्क दिया गया था कि अचानक हुई बारिश के कारण यह स्थिति बनी। परंतु अब जबकि पूरे रोड पर एक साल के भीतर डामर उखड़ चुका है, रोड धंस चुकी है, और जगह-जगह गड्ढे उभर आए हैं, यह स्पष्ट हो गया है कि निर्माण की गुणवत्ता बेहद खराब थी। इस रोड को ठेकेदार के द्वारा कई बार सुधारने का कार्य भी किया इसके बाद भी रोड अल्प समय में ही खराब हो गई। गांव के लोगों का कहना है कि जब तक गुणवत्ता व इस रोड पर चलने वाले भारी वाहनों को दृष्टि में रख कर निर्माण कार्य नहीं करवाया जाएगा तब तक गांव के लोगों को रोड की सुविधा का लाभ अधिक समय तक नहीं मिल सकता है।सीसी रोड भी ध्वस्त, प्रशासन और ठेकेदारों पर सवाल-रोड का वह हिस्सा जहा सीमेंट क्रांकीट से निर्माण हुआ था। वह भी धंस गया है। रोड में दरारें पड़ चुकी हैं और फासले उभर आए हैं। मिट्टी की भराई व कम्प्रेशन कार्य ठीक से नहीं हुआ। जिससे रोड वाहनों के भार से टूटती जा रही। इससे साफ है कि निर्माण से पहले जमीन की उचित तैयारी नहीं की गई।*स्थायी समाधान की मांग*- गांववासियों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि इस रोड की नवीन और स्थायी मरम्मत की जाए। दोषी अधिकारियों और ठेकेदारों पर कार्रवाई हो तथा भविष्य में निर्माण कार्यों में जन निगरानी समिति की भागीदारी सुनिश्चित की जाए।*मरम्मत के नाम पर थिगड़े बाजी, ग्रामीणों की नाराजगी*जिन हिस्सों में पहले मरम्मत की गई थी, वे भी अब बिखर चुके हैं। वर्तमान में आधे-अधूरे तरीके से गिट्टी डालकर थिगड़े लगाए जा रहे हैं, लेकिन उन्हें मजबूती से समतल और पक्का करने की जरूरत तक नहीं समझी गई। ऐसे में हर साल बारिश के साथ रोड की स्थिति और बदतर होती जा रही है। गांव के लोगों का कहना है कि यह रोड पूर्व में भी दो बार बन चुकी है, लेकिन हर बार भारी लापरवाही बरती गई। तीसरी बार जब चौड़ाई बढ़ाकर नया निर्माण हुआ। तब भी वही कहानी दोहराई गई। एक ग्रामीण ने बताया पांच साल की गारंटी के बावजूद अगर रोड एक साल में ही खराब हो जाए तो यह भ्रष्टाचार का सीधा संकेत है।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बच्चे दिखा रहे अपनी प्रतिभा

गरवा नृत्य को दर्शकों ने सराहा

तेंदूखेड़ा। शक्ति की भक्ति का महापर्व शारदीय नवरात्रि पर्व पूरे शबाब पर है।इन नौ दिनों तक जहां श्रद्धालुओं ने अपने सामर्थ्य के अनुसार सेवा साधना की वहीं छोटे छोटे स्कूली बच्चों ने भी अपनी शैक्षणिक संस्थाओं के बैनर तले सांस्कृतिक मंचों पर अपनी प्रतिभा भी दिखाई। जिसमें व्यसन मुक्त समाज निर्माण सड़क सुरक्षा माता-पिता के प्रति आदर सम्मान और वर्तमान में घटित हो रही घटनाओं पर आधारित लघु नाटिकाएं नौ देवियों के जीवंत स्वरुपों गरवा नृत्य अलग-अलग राज्यों में विभिन्न वेश-भूषा में पहनावा के साथ नृत्यों ने जमकर बाहबाही बटोरी प्रतिदिन नगर की अलग अलग शैक्षणिक संस्थाओं के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जा रही है। जिसमें बच्चों के पालकों और दर्शकों की भीड़ उमड़ पड़ी है। नवमी तिथि पर हवन पूजन के साथ माता रानी को विदाई दी गई। प्रत्येक पंडाल तथा घर में कन्या भोज पूजन कार्यक्रम चल रहा है। आज 2 अक्टूबर को दशहरा पर्व पर विशाल चल समारोह नगर के मुख्य मार्गों से निकाला जायेगा।